Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D—1008

PAPER—III

SOCIAL WORK

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be repplaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

SOCIAL WORK

सामाजिक कार्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Observers of contemporary Indian polity attribute the continued deterioration of India's public sector to the failure of accountability mechanisms in current governance structures. Many argue that the mechanisms are weak primarily due to the presence of preverse incentives within the administrative and political system that encourages patron-client relationships. The dynamics of this relationship results in bureaucrats and politicians being accountable, internally and upwards to their individual patrons rather than to the needs of citizens. In a country such as India, when the poor rely on the state for basic survival and protection, the consequences of weak accountability are particularly debilitating. In the absence of accountability mechanisms, the poor are unable to interact, influence or excercise enforceability upon the state (out side of electeral politics). Thus, when government teachers and doctors do not come to work or when social security schemes do not cover intended beneficiaries, the poor have no recource. Moreover, weak accountability encourages corruption. As one former Prime Minister famously said, "of every one rupee spent on development, only 15 paise reaches the poor". The challenge India faces therefore is to identify processes through which accountability relationships are strengthend, leadineg to the state being more responsive to the needs of the poor...

In contemporary public policy discourse, accountability has been defined as a relationship in which powerholders can be held answerable for their conduct. Accountability consists of two elements, "answerability" (accounting for actions taken) and "unforceability" (punishments, sanctions or rewards for actions taken).

Accountability in public institutions operates on two levels; horizontal and vertical. Horizontal (supply-side) accountability is a relationship. Where one state agency monitors the activities of other state agencies. Institutional oversight, and checks and balances internal to the state mechinery represent this relationship Vertical (demand-side) accountability refers to the relationship between citizens and the state. Elections are the most conventional forms of vertical accountability. Recent formulations of accountability have expanded the realm of vertical accountability to include citizen-based action such as lobbying and advocacy. Theorists such as Goetz and Gaventa emphasise that both horizontal and vertical relationships of accountability must operate in tandem. This breaks the state's monopoly over institutional oversight and ensures that citizen perceptions contribute to state policy.

समकालीन भारतीय राजतन्त्र के पर्यवेक्षक देश के जनक्षेंत्र में हो रही निरन्तर गिरावट के लिए वर्त्तमान अभिशासन ढांचे में जवाबदेही तन्त्र की असफलता को उत्तरदायी ठहराते है। बहुतों की यह दलील है कि यह जवाबदेही तन्त्रावली मुख्यतया निर्बल इसलिए है कि संरक्षक–ग्राहक समबन्धों को बढावा देने वाली शासकीय एवं राजनीतिक प्रणाली में विकृत प्रोत्साहकों की उपस्थिति रहती है। इन सम्बन्धों की गतिशीलता का परिणाम यह होता है कि नौकर शाही और राजनीतिज्ञ नागरिकों को जवाबदेह होने की बजाय आन्तरिक रूप से निजी संरक्षकों के प्रति जवाबदेह हो जाते हैं। भारत जैसे देश में जहा निर्धन अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए मात्र राज्य पर निर्भर करते हैं, ऐसे देश में निर्बल जवाबदेही विशेष रुप से विध्वंसक है। जवाबदेही की व्यवस्था की अनुपस्थिति में निर्धन, चुनावी राजनीति से बाहर, राज्य के साथ अन्तर–क्रिया करने प्रभावित करने और अपने अधिकारों को मनवाने में अयोग्य रहते हैं।

इसलिए, जब सरकारी अध्यापक एवं डॉक्टर काम पर नही आते अथवा सामाजिक सुरक्षा स्कीमों का लाभ अपेक्षित लाभग्रहियों तक नहीं पहुंचता और निर्धन लोगों के लिए कोई अन्य चारा भी नहीं रहता। जवाबदेही रिश्वतखोरी को बढावा देती है। एक भुतपुर्व प्रधान मंत्री ने कहा भी था 'विकास पर खर्च किये गए प्रति रुपए में से केवल 15 पैसे ही गरीबों तक पहुंचते हैं।

इसलिए भारत के समक्ष यह चुनौती है कि वह ऐसी प्रक्रियाओं की शिनाख्त करे जिससे जवाबदेही को सुदृढता मिले और राज्य को निर्धनों की आवश्यकताओं के प्रति और अधिक उत्तरदायी बनाये।

समकालीन जन राजतन्त्र संवाद में जवाबदेही की यह परिभाषा दी गई है कि यह एक ऐसा सम्बन्ध है जो शक्ति धारकों को उनके आचार के लिए जवाबदेह ठहराता है। जवाबदेही के दो तत्व हैं उत्तरदेयता (किये गए कार्यो के लिए जवाबदेही) और प्रवर्त्यता (कार्यों के लिए दण्ड संस्तुतियां अथवा पारितोषिक)।

जन संस्थानों में जवाबदेही दो स्तरों पर काम करती है: क्षितिजीय एवं ऊर्ध्व। क्षितिजीय (सप्लाई पक्ष) जवाबदेही एक ऐसा सम्बन्ध है जहां एक राज्य एजेंसी अन्य राज्य एजेंसियों के कार्य-कलापों को मानीटर करती है। ऐसे सम्बन्ध राज्य व्यवस्था की आन्तरिक व्यवस्थागत त्रुटियों तथा संतुलन-नियन्त्रण से प्रदर्शित होते हैं।

ऊर्ध्व जवाबदेही (मांग पक्ष) नागरिकों एवं राज्य के बीच के सम्बन्धों की ओर इंगित करती है। ऊर्ध्व जवाबदेही का अत्याधिक परम्परागत रुप है चुनाव। जवाबदेही के अर्वाचीन विन्यास ने ऊर्ध्व जवाबदेही को के क्षेत्र को बढाया है जिसमें अब नागरिक आधारित क्रियाएं यथा मताग्रह और पक्षपोषण आ जाती हैं। गोयट्ज़ एवं गवेंटा जैसे सिद्धान्तवादी इस बात पर बल देते हैं कि जवाबदेही के क्षितिजीय एवं ऊर्ध्व दोनों सम्बन्धों को मिलजुल कर काम करना चाहिए। इससे व्यवस्थागत त्रुटियों पर राज्य का एकाधिकार समाप्त होता है और यह राज्यनीति में नागरिक बोध क्षमता के योगदान को यकीनी बनाता है।

1. What do you understand by the term 'accountability' ? Explain how weak accountability encourages corruption ?

'जवाबदेही' पारिभाषिक शब्द से क्या अभिप्राय है? कमजोर जवाबदेही रिश्वतखोरी को किस प्रकार से बढावा देती है। स्पष्ट कीजिए।

2 Explain how pubic institutions can be made accountable and with what outcomes ?

जन संस्थानों को किस प्रकार जवाबदेह बनाया जा सकता और ऐसा करने के क्या परिणाम होगें? स्पष्ट कीजिए।

3. State in your own words why horizontal and vertical relationships of accountability must operate in tandem ?

अपने शब्दो में व्याख्या कीजिए कि जवाबदेही के क्षितिजीय और ऊर्ध्व सम्बन्ध क्यो मिल-जुल कर चलें?

4. Summarize the central message that the author wants to convey in the above paragraph.
उपरोक्त अनुच्छेद में लेखक क्या केंद्रीय संदेश देना चाहता है, उसे संक्षेप में लिखिए?

5. Suggest a suitable title to the above paragraph with proper justification.
उपर्युक्त अनुच्छेद के लिए उपयुक्त शीर्षक उचित औचित्य के साथ लिखिए?

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों के है।

(5x15=75 अंक)

6. 'Social Work profession and human rights are interconnected' explain.

समाज कार्य व्यवसाय और मानव अधिकार अर्न्तसम्बंधित हैं। स्पष्ट कीजिए?

7. Explain the characteristics of society.
समाज की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए?

8. Describe Maslow's theory of human needs.
मानवीय आवश्यकताओं से सम्बंधित मैस्लो के सिद्धान्त का विवरण दीजिए?

9. Define social problems and explain its meaning.
सामाजिक समस्या की परिभाषा दीजिए और इसके अर्थ को स्पष्ट कीजिए?

10. Explain any two techniques of behaviour modification.
व्यवहार परिष्करण की किन्ही दो तकनीकों को स्पष्ट कीजिए?

11. List out the principles of social group work.
सामाजिक समूह कार्य के सिद्धान्तों की सूची बताइए?

12. How would you like to explain term 'community empowerment' ?
'समुदाय सशक्तिकरण' पारिभाषिक शब्द को स्पष्ट कीजिए?

13. Differentiate between quantitative and qualitative research.
सांख्यात्मक और गुणात्मक अनुसंधान में भेद कीजिए?

14. Explain relevance of ethics in social work research.
समाज कार्य अनुसंधान में आचारो की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए?

15. Critically discuss the adequacy of environment policy in India.

भारत मे पर्यावरण नीति की पर्याप्तता का विवेचनात्मक मूल्यांकन कीजिए?

16. Examine the relevance of public-private partnership in the current socio economic context.

वर्तमान सामाजिक–आर्थिक परिवेश मे सरकारी निजी भागेदारी की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए?

17. "Social legislation is an instrument for achieving social justice." Justify your answer.
''सामाजिक कानून सामाजिक न्याय को प्राप्त करने का साधन है।'' अपने उत्तर को सत्यापित कीजिए।

18. What are the major health concerns of tribals in India ?
भारत मे आदिवासियो की प्रमुख स्वास्थ्य दशाऐ क्या है?

19. "Safe drinking water is matter of human right" justify.

''सुरक्षित पेयजल मानवाधिकार का विषय है।'' उक्त कथन की सत्यता परखिए?

20. Write three basic components of human development index.

मानव विकास सूचकाँक के तीन मुख्य तत्वो का उल्लेख कीजिए?

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

21. Explain the concept of human resource management and its role in attaining the welfare of working class in India.
मानव संसाधन प्रबन्धन की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए और भारत में श्रमिक वर्ग के कल्याण की प्राप्ति में इसकी क्या भूमिका है?

22. Critically discuss the causes and consequences of indebtedness among industrial workers in India.
भारत में औधोगिक कामगारों (श्रमिकों) की ऋणग्रस्तता के कारणों और परिणामों की समीक्षात्मक चर्चा कीजिए?

23. Explain how HRD subsystems can be instrumental in promoting workers' participation in management ?
मानव संसाधन विकास के उपतन्त्र किस प्रकार प्रबन्धन में श्रमिकों की भागीदारी को बढाने के उपकरण हो सकते हैं?

24. What modifications you would like to bring out in Factories Act, 1948 in the context of globalization ?
वैश्वीकरण के प्रसंग में कारखाना अधिनियम 1948 में आप किन परिवर्तनों का सुझाव देंगे?

25. Discuss the role of Labour Welfare Officer in promoting corporate social responsiblity programmes in India.
भारत में कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम को बढावा देने में श्रम कल्याण अधिकारी की भूमिका की चर्चा कीजिए?

OR / अथवा

Elective - II

विकल्प – II

21. Differentiate between stress and crisis. Explain important techniques of crisis intervention.

दबाव और संकट में भेद कीजिए। संकट कालीन हस्तक्षेप की आवश्यक तकनीकों को स्पष्ट कीजिए?

22. Explain the relevance and significance of play therapy in a Child Guidance Clinic.

बाल निर्देशन क्लिनिक में खेल चिकित्सा विधि की प्रासंगिकता और महत्व को स्पष्ट कीजिए?

23. Prepare a plan of action for enhancing the copying skills of families of discharged patients of schizophrenia.

सिजोफ्रेनियां के अस्पताल से मुक्त किये गए रोगियों को देखभाल के लिए उनके परिवारों के कौशल को बढाने के लिए कार्य योजना तैयार कीजिए?

24. Describe the role and utility of support groups for cancer patients in a hospital setting.

अस्पताल क्षेत्र में कैंसर के रोगियों के लिए समर्थन समुहों की भूमिका और उपयोगिता का वर्णन कीजिए?

25. "Privatisation of health services have made the quality health care services inaccessible to the poor" – Comment.

'स्वास्थय सेवाओं के निजीकरण ने गुणात्मक स्वास्थय सेवाओं को निर्धनो के लिए अउपलब्ध बना दिया है?'टिप्पणी किजिए।

OR / अथवा

Elective - III

विकल्प – III

21. Sketch the process of Community Organisation.

सामुदायिक संगठन की प्रक्रिया का चित्रण कीजिए?

22. Explain the concepts of urban, urbane, urbanism and urbanisation.

नगरीय, नागर, नगरवाद और नगरीकरण की अवधारणाओ की व्याख्या कीजिए?

23. Differentiate between community organisation, community work and community development.

सामुदायिक संगठन, सामुदायिक कार्य और सामुदायिक विकास में भेद कीजिए?

24. How will you address educational needs of children in urban slums ?

नगरीय मलिन वस्तियो के बालकों की शैक्षणिक आवश्यकताओं का आप किस प्रकार सम्बोधित करेंगे?

25. Critically analyse the role of Panchayat Raj Institutions in watershed management.

जल विभाजक प्रबन्धन में पंचायती राज संगठनों की भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए?

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. Write about the different forms of elder abuse and its implications to the physical and psychological well being of the elderly.

वृद्ध दुरुपयोग के विभिन्न स्वरूपों को लिखिए और वृद्धो के शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक स्वास्थय में इनसे पैदा होने वाली उलझने कौन सी है?

22. Explain the role of social worker in protecting the rights of orphaned and vulnerable children.

अनाथ एवं कमजोर बालकों के अधिकारों के संरक्षण में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका को स्पष्ट कीजिए?

23. What is the phenomenon of declining sex ratio ? Examine its impact on the status of women .

घटते लिंग अनुपात का दृश्य क्या है? महिलाओ की स्थिति पर इसके प्रभाव की जांच कीजिए?

24. Critically evaluate the role of family counselling services in helping married couples to cope with the challenges in family relations.

विवाहित युगलों को पारिवारिक सम्बन्धों की चुनौतियों से निपटने के लिए परिवार परामर्श सेवाओं की भूमिका का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए?

25. What are the major features of the Protection of Women Domestic Violence Act, 2005 ? Critically examine its effectiveness in containing violence against women in families.

महिला संरक्षण घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की मुख्य विशिष्टताएँ लिखिए। परिवारों में महिलाओ के विरुद्ध हिंसा के निवारण में उक्त अधिनियम कहाँ तक प्रभावशाली सिद्ध हुआ है? समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए?

OR / अथवा

Elective - V

विकल्प – V

21. 'Not all deviance is criminal behaviour' – Discuss.

'सभी प्रकार के विमार्ग गमन अपराधिक व्यवहार नही है।' चर्चा कीजिए।

22. Draw a comparison between punishment and corrections in reforming criminal behaviour.

अपराधिक व्यवहार के सुधार मे दंड तथा सुधार के मध्य तुलना कीजिए?

23. Discuss main recommendations of Malimath Committee on reform of criminal justice system.

अपराधिक न्याय व्यवस्था के सुधार के लिए गठित मालीमथ समिति के मुख्य सिफारिशो का वर्णन कीजिए?

24. 'Parole in India has not served its intended purposes'. Comment.

''भारत में पैरोल अपने आपेक्षित उद्देश्यो को प्राप्त नही कर सका है।'' टिप्पणी कीजिए?

25. Describe the fundamental principles of criminal jurispredence.

अपराधिक न्यायशास्त्र के मूल सिद्धान्तो का वर्णन कीजिए?

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. This question carries 40 marks.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. Explain in detail the use of provisions of the Right to Information Act 2005 in effectively helping clientele in the context of social work practice.

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के उन प्रावधानों को सविस्तार स्पष्ट कीजिए जिनके प्रयोग से समाज कार्य अभ्यास के प्रसंग में सेवार्थीयो की प्रभावशाली ढंग से सहायता की जा सकती है?

OR / अथवा

Discuss the concept of social exclusion. How social work profession working towards socially just society can achieve an inclusive society ?

'सामाजिक बहिष्करण' की अवधारणा की चर्चा कीजिए। न्याय संगत समाज के लिए समाज-कार्य व्यवसायी किस प्रकार समेकित समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं?

OR / अथवा

'Development with social justice is the need of the hour. Discuss the statement focussing on human rights dimensions of social work practice.

'सामाजिक न्याय के साथ विकास समय की आवश्यकता है।' समाज कार्य अभ्यास की परिभाष में आने वाले मानव-अधिकारों को केन्द्र बिन्दु मानते हुये उक्त कथन की चर्चा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....